पाठ- 13 नए इलाके में, खुशबू रचते हैं हाथ

पद्यांश को पढ़कर पूंछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए –

1)
इन नए बसते इलाकों में
जहाँ रोज़ बन रहे हैं नए-नए मकान
मैं अकसर रास्ता भूल जाता हूँ।

धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
और ज़मीन का खाली टुकड़ा जहाँ से बाएँ
मुड़ना था मुझे
फिर दो मकान बाद बिना रंगवाले लोहे के फाटक का
घर था इकमंज़िला

और मैं हर बार एक घर पीछे
चल देता हूँ
या दो घर आगे ठकमकाता

यहाँ रोज़ कुछ बन रहा है
रोज़ कुछ घट रहा है
यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं।
i. प्रस्तुत पद्यांश में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है**?**
(क) नए नए मकान बनने से
(ख) नए इलाके बसने से
(ग) कवि की स्मृति घट रही है
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर**:** (ख) नए इलाके बसने से

ii. "यहाँ रोज़ कुछ बन रहा है
रोज़ कुछ घट रहा है
यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं" यह पंक्ति कवि किसके लिए कह रहा है?
(क) स्वयं के लिए
(ख) नए इलाके के लिए
(ग) इस नई दुनिया के लिए
(घ) अपने गांव के लिए
उत्तर**:** (ख) नए इलाके के लिए
iii. प्रस्तुत पद्यांश में कवि को कौन धोखा दे जाता है**?**
(क) नई गलियां
(ख) पुराने निशान
(ग) एकमंजिला घर
(घ) ढहा हुआ घर

उत्तर: (ख) पुराने निशान

iv. प्रस्तुत पद्यांश में कवि किसको खोज रहा है**?**
(क) अपने परिवार को
(ख) ढहे हुए घर को
(ग) अपने नगर को
(घ) अपने घर को
उत्तर: (ख) ढहे हुए घर को

2)
एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया
जैसे वसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ
जैसे बैसाख का गया भादों को लौटा हूँ
अब यही है उपाय कि हर दरवाज़ा खटखटाओ
और पूछो- क्या यही है वो घर?

समय बहुत कम है तुम्हारे पास
आ चला पानी ढहा आ रहा अकास
शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर।

i. एक दिन में कौन पुरानी पड़ जाती है**?**
(क) कवि का गांव
(ख) गलियां
(ग) इलाके
(घ) दुनिया
उत्तर: (घ) दुनिया

ii. निम्न पद्यांश में कवि किस ऋतु का वर्णन कर रहे हैं**?**
(क) सावन
(ख) कार्तिक
(ग) भादो
(घ) कुंवार
उत्तर: (ग) भादो

iii. निम्न पद्यांश में कवि किस मौसम का वर्णन कर रहे हैं**?**
(क) गर्मी
(ख) सर्दी
(ग) बारिश
(घ) बसंत
उत्तर: (घ) बसंत

iv. प्रस्तुत पद्यांश में “अकास” शब्द का क्या अर्थ है**?**
(क) आसमान
(ख) मौसम
(ग) दिन
(घ) रात
उत्तर: (क) आसमान

3)
उभरी नसोंवाले हाथ
घिसे नाखूनोंवाले हाथ
पीपल के पत्ते-से नए-नए हाथ
जूही की डाल-से खुशबूदार हाथ

गंदे कटे-पिटे हाथ
ज़ख्म से फटे हुए हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।

यहीं इस गली में बनती हैं
मुल्क की मशहूर अगरबत्तियाँ
इन्हीं गंदे मुहल्लों के गंदे लोग
बनाते हैं केवड़ा गुलाब खस और रातरानी
अगरबत्तियाँ
दुनिया की सारी गंदगी के बीच
दुनिया की सारी खुशबू
रचते रहते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ
खुशबू रचते हैं हाथ।

i.कवि "उभरी नसोंवाले हाथ
घिसे नाखूनोंवाले हाथ" किसके लिए कहा है?
(क) अगरबत्तियां बनाने वालो के
(ख) खुद के
(ग) नए इलाके के
(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर: (क) अगरबत्तियां बनाने वालो के

ii.प्रस्तुत पद्यांश में कवि किसकी बात कर रहे हैं**?**
(क) गंदे मोहल्लों की
(ख) गंदे लोगों के
(ग) केवड़ा गुलाब खस और रातरानी
अगरबत्तियों की
(घ) उपर्युक्त में से सब कुछ
उत्तर: (घ) उपर्युक्त में से सब कुछ

iii. केवड़ा गुलाब खस और रातरानी अगरबत्तियाँ कौन बनाता है**?**
(क) अमीर लोग
(ख) गरीब लोग
(ग) गंदे लोग
(घ) इंजीनियर
उत्तर: (ग) गंदे लोग

iv.खुश्बू से रचते हैं हाथ में कवि किसकी बात कर रहा**?**

(क) अगरबत्तियां बनाने वाले लोगों की
(ख) किसानों की
(ग) बागान मालिकों की
(घ) माली की
उत्तर: (क) अगरबत्तियां बनाने वाले लोगों की